Seventeenth Loksabha

an>

Title: Need to fix guaranteed price of cow milk -laid.

श्री सदाशिव किसान लोखंडे (शिर्डी): सरकार को अवगत कराना चाहूँगा कि मेरे संसदीय क्षेत्र शिरडी और पूरे महाराष्ट्र राज्य में किसान कृषि के साथ-साथ दुग्ध व्यवसाय के रूप में बड़े पैमाने पर डेयरी व्यवसाय में लगे हुए हैं। विगत कुछ वर्षों से दूध का कारोबार किसानों के लिए काफी नुकसानदेह साबित हो रहा है। इसका प्रमुख कारण यह है कि दूध की कीमत कम और उत्पाद शुल्क में निरंतर वृद्धि हो रही है। आज एक लीटर दूध के उत्पादन मे 27 रुपए का खर्च आता है तथा वहीं दुग्ध उत्पादक किसान को एक लीटर दूध की कीमत मात्र 18 से 22 रुपए मिलती है तथा शुरूआती दिनों में जहां गाय अच्छी मात्रा में दूध देती है, वहीं कुछ महीनों बाद दूध कम हो जाता है और 6 या 7 वर्ष बाद गाय पूरी तरह से दूध देना बंद कर देती है। ऐसी स्थिति में गो-हत्या पर प्रतिबंध होने की वजह से किसान बांझ गाय को बेच नहीं पाते हैं और साथ ही उसकी देखभाल भी नहीं कर पाते हैं, जिस कारण उन्हें आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ता है।

केन्द्र सरकार किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य दिलाए जाने के लिए प्रतिबद्ध है तथा इस निमित्त किसानों को गन्ना एवं अन्य फसलों की वाजिब कीमत भी दिलाया जाना सुनिश्चित किया हुआ है। यदि गाय दुग्ध उत्पादकों को दुग्ध का वाजिब मूल्य नहीं मिलता है तो यह उनके साथ न्याय नहीं होगा।

अत: ऐसी स्थिति में मेरा सरकार से अनुरोध है कि जिस प्रकार से गन्ने एवं अन्य फसलों के लिए गारंटी कीमत किसानों को मुहैया करायी जाती है, उसी प्रकार से दुग्ध उत्पादक किसानों को भी गाय के दूध के लिए 32 रु0 प्रति लीटर की गारंटीकृत कीमत दिए जाने हेतु समुचित कदम उठाए जाएं।